पौध सुरक्षा एवं कृषि विकास में डिजिटल तकनीक

कृषि कुंभ (नवंबर 2023),
खण्ड 03 अंक 06, पृष्ठ संख्या 45–47

पौध सुरक्षा एवं कृषि विकास में डिजिटल तकनीक का महत्व

विकास बामल[1] एवं सरदुल मान[2]

[1]सूत्रकृमि विज्ञान सम्भाग,
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली–110012
[2]सूत्रकृमि विभाग,
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार–125004, भारत।

Email Id: vbamel@yahoo.com

आधुनिक युग में कृषि में नवाचार व डिजिटल क्रांति ने किसानों के लिए अनेक सुविधाओं का सृजन किया है। वर्षो से अधिक उत्पादन करने के बाद भी किसान को अपनी उपज का पूरा लाभ न मिलना व किसान की आर्थिक विषमताएं पूरे देश एवं कृषि तंत्र के लिए चिंता का विषय हैं। नित नये अनुसंधानों से जहाँ उत्पादन में आशानुकूल वृद्धि हुई है, वहीं गिरते बाजार भाव, भण्डारण की अप्रभावी क्षमता की समस्या किसान के सामने हमेशा ही रही हैं। अपने उत्पादन की सर्वश्रेष्ठ कीमत प्राप्त करने के लिए किसान को सूचनाओं को समय–समय पर देना अति आवश्यक है। सरकार द्वारा सूचना तंत्र को मजबूत करने की दिशा में हाल ही में महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। बाजार कीमतें आज केवल मोबाईल का प्रयोग करने से मिल जाती हैं। ईनाम सुविधा से किसान अपने उत्पादन को उचित मूल्य पर पूरे भारत वर्ष में बेच सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए यहाँ इन डिजिटल सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही हैं।

डिजिटल तकनीको का महत्व

किसानों को तकनीक के अलावा अन्य कई सूचनाओं की आवश्यकता होती है। अब किसानों को खेती को एक व्यवसाय (व्यापार) के रूप में इससे जुड़ी प्रणाली, उप–प्रणाली के साथ प्रशासन, किसानों की पहल, विपणन सूचना व अनगिनित सहयोगियों जो कि कृषि उत्पादन से जुड़े है की आवश्यकता होती। किसान व उनके सहयोगियों को तीन मुख्य उद्देश्य अर्थात् उत्पादकता, लाभ व स्थिरता को संतुलित करना चाहिए। मुनाफे में बढ़ोतरी के लिए गुणवता और मूल्य सवंर्धित उत्पादों के तेजी से बदलते बाजार के अवसरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्पादकता में वृद्धि की आवश्यकता है। इस बात की भी ध्यान रहे कि प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, मृदा व जैविक उप उत्पाद का उपयोग भी अधिक स्थायी तरीके से हो। कृषि के वर्तमान परिदृश्य में, लाखों किसानों तक पहुँच कर उनकी जटिल माँगों तक पहुँच पाये। ग्रामीण क्षेत्रों में नई जानकारी व संचार प्रौद्योगिकी के विकास व प्रसार द्धारा आमने–सामने पारस्परिक संवाद की भौतिक बाधाओं को दूर करन` में मोबाईल फोन का बहुत बड़ा योगदान है।

मोबाइल एप

यह मोबाइल ऐप साफ्टवेयर है जो कि विशेष रूप से छोटे, वायरलेस कंम्प्यूटर जैसे उपकरणों, के उपयोग के लिए विकसित किया गया है।

कृषि सूचना प्राप्त करने के अन्य डिजिटल संसाधन –

कृषि संबंधी जानकारी प्राप्त करन` के बहुत स्त्रोत उपलब्ध है। जैसे कम्प्यूटर, मोबाईल फोन, टेलीविजन इत्यादि लगभग गांव व शहरों के घरों में उपलब्ध है। अब यह कोई विलासता का पर्याय नहीं हैं अब इनका होना हर घर की आवश्यकता बन गया है।

वेब पोर्टल्स व मोबाईल

पूसा कृषि मोबाईल एप्लिकेशन

यह पूसा द्वारा विकसित द्विभाषी मोबाईल एप्लिकेशन है। यह एप्लिकेशन मौसम, उत्पादन तकनीक व खेती के साधनों की जानकारी देता है। किसान इसके माध्यम से कृषि सम्बन्धित सलाह व इससे किसान कॉल सेन्टर से सीधा सम्पर्क किया जा सकता हैं।

ई–नेम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) पोंटल एवं एप्प

यह एक ऑनलाईन पोर्टल है, इसके माध्यम से किसान, व्यापारी, खरीददार, निर्यातक व प्रोसेसर को कृषि उत्पाद खरीदने व बेचने की सूचना प्राप्त होती है।

अ) किसान को किसी विशेष तहसील/ जिले में बेचने की मजबूरी को रोकने में सक्षम है तथा अन्य संबंधित जानकारी प्रदान करता है।

ब) उच्च परिवहन लागत को कम करता है।

स) एक राज्य में विभिन्न मण्डियों में उत्पाद बेचने के लिए अलग–अलग लाईसेंस रखने की जरूरत को खत्म करता है।

द) छोटी वितरित मंडियाँ।

विभिन्न कृषि उत्पाद के बाजार मूल्य की जानकारी इस पोर्टल के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। पंजीकृत होने के पश्चात् किसान ई–नेम पंजीकृत मण्डी को अपने उत्पाद का विवरण दे। किसान के उत्पाद का विवरण जांच लिया जायेगा ओर तद्नानुसार इसकी किमत की में ई–नेम कर्मचारियों द्वारा निर्धारित की जायेगी। इसकी सूचना अन्य किसानों और अन्य राज्यों में हितधारकों के लिए ऑन लाईन उपलब्ध होगी। स्थानीय व्यापारी, देश के किसी भाग की मण्डी के कृषि उत्पाद की जानकारी प्राप्त करता है इससे किसान के पास कई विकल्प खुले रहते, की वह कही भी बेचे।

नेम साफ्टवेयर सभी मंडियों को उपलब्ध करवा दिया जाता हैं इसकी रख–रखाव पर होने खर्चों का वहन भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा वहन किया जाता है। हॉलाकि, इस कार्य में लगे कर्मचारी जो गुणवता जांच व सॉफ्टवेयर संचालन करते है, उनका खर्चा निकालने के उत्पाद विक्रय के लेन–देन शुलक से निकलता है।

लघु किसान कृषि व्यवसाय संघ को पोर्टल के प्रबंधन के लिए नियुक्त किया गया। इस समय 1250 कृषि उत्पाद विपणन समितियाँ जो देश 10 राज्यों में कार्यरत है। केवल महाराष्ट्र राज्य में 45 मण्डी किसानों का लाभान्वित कर रही है। इसके लिए वेब साईट https://www.enam.gov.in/web/ पर देखा जा सकता है।

किसान पोर्टल व एप्प

किसानों के लिए कई वेबसाईटें व पोर्टल उपलब्ध है। हॉलाकि, उन वेब साईट पोर्टल को उपयोग में कइ सुविधाओं का सामना करना भी पड़ता है। किसानों के लिए आल इन वन पोर्टल है जहां कीट बिमारी, मौसम, कटाई पश्चात् विपणन आदि की सूचनाएं उपलब्ध है। किसी भी फसल की राज्य विशेष, ब्लॉक/जिला की सूचना मात्र एक क्लिक से सामने दिखती है। एक बार पंजीकरण होने के पश्चात् किसान समस्त फसलोत्पादन की सूचना एस.एम.एस., ईमेल, दृश्य श्रवण से अपने द्वारा चुनी भाषा में प्राप्त करता है। इन सूचनाओं से संबंधित प्रश्नों का निराकरण इस वेव पोर्टल पर कर सकता है। वेब–लिंक https://www.farmer.gov.in

एम–किसान पोर्टल एव एंप्प

किसान अपने मोबाईल फोन पर समय–समय विशिष्ट क्षेत्र व फसल की जानकारी प्राप्त कर सकते है। इसक` लिए आवेदन की आवश्यकता नहीं होती है। उपयोगकर्त्ता इस माध्यम से किसान एम.एम.एस. का लेन देन कर सकता है। 51969 या 7438299899 एस.एम.एस. भेजकर चाही गई सूचना प्राप्त कर सकता है। केन्द्रीय और राज्य सरकारों के विभिन्न संगठनों व विभागों के अधिकारी इस पोर्टल में पंजीकृत है। आई.वी.आर. आवेदन से पूर्व की गई तकनीक सम्बन्धित रिकॉडिंग को वास्तविक स्थिति के अनुसार प्राप्त कर सकते है।

पोर्टल पंजीकरण के तरीके

1. किसान काल केंद्र
2. वेब
3. एस.एम.एस
4. प्रसार – कार्यकर्त्ता

यह पोर्टल राज्य व केन्द्र सरकार की संस्थानों जो कृषि कार्य में है, वे अपने चयनित किसानों को वांछित भाषा में प्रदान करने में सक्षम बनता है। प्रत्येक किसान अधिकतम 8 फसलों की सूचना प्रदान करता हैं इससे लिंक (जुड़ने) के लिए एम.एम.एस. भेजकर : https://mkisan.gov.in/

किसान सुविधा एप्प

यह किसानों को त्वरित और प्रांसगिक जानकारी प्रदान करने वाला बहु–मोबाइल एप्लिकेशन एप्प है। किसानों द्वारा कृषि सलाहकारों, मौसम, बाजार, समन्वित कीट प्रबन्ध, रोग नियंत्रण सम्बन्धि जानकारी प्राप्त की जाती है। नजदीकी क्षेत्र के संबंध में चरम मौसम, बाजार–भाव, फसलों की जानकारी प्राप्त कर लेता है।

कृषि बाजार एप्प

इस एप्प के जरिये 50 किमी की त्रिज्या में कृषि उत्पादों के बाजार भाव की जानकारी प्राप्त करता हैं यह एप्प जीपीएस के सुविधा से 50 किमी के अन्दर जिन्सों के बाजार भाव प्रदान करता है। इसमें किसी विशेष इलाके की फसल के भाव बिना जी.पी.एस. के भी जान सकते है।

उमंग (एकीकृत मोबाइल मोबाईल एप्लिकेशन नियू ऐज गर्वनेन्स)

इसके माध्यम से सभी सरकारी योजनाओं और सेवाओं के लिए एक एकीकृत पहुंच प्रदान की जाती है। यह डिजीटल इण्डिया आंदोलन की पहल का हिस्सा है। यह मास्टर एप्लिकेशन के रूप में कार्य करता है जो 200 आवेदनों को एकीकृत करके लगभग 1200 सेवाऐं प्रदान करता जो कि केन्द्र, स्थानिय निकाय व निजी क्षेत्र के अधीन संचालित है इसका प्राथमिक उद्देश्य एकल माध्यम से बहु–सूचना प्रदान करना है।

फसल बीमा पार्टेल व माबेाईल एप्लिकेशन

इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुई फसल की क्षतिपूर्ति के लिए वित्तिय सहायता प्रदान करना है। फसल बीमा योजना में खरीफ के लिए 2 प्रतिशत प्रीमियम तथा रबी के लिए 1. 5 प्रतिशत प्रीमियम रखा गया। यह दर सम्पूर्ण भारत में एक समान है तथा शेष प्रीमियम का भुगतान सरकार द्वारा किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए नीचे लिखे नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। फोन न0. 011–23388911

माई ऐग्री गुरू

यह किसानो का एक डिजिटल मंच–है जिसका उद्धेश्य सम्पूर्ण कृषि समुदाय का एक एकीकृत नेटवर्क जोड़ना है। यह मंच देश भर में किसानों और कृषि विशेषज्ञों को जोड़ता है उनके विचारों, विचारों और सूचनाओं के आदान–प्रदान द्वारा बनाने में सक्षम हो रहा है। एक ही स्थान पर सभी फसल सें संबंधित जानकारी और कृषि सलाहाकार, इसमें कृषि संबंधी गतिविधियों कैलेंडर, फसल की स्थिति का आत्म–निदान, नई प्रैद्योगिकियां और फसल और किसान की सफलता की कहानियों आदि नये–नये प्रयोगो को शामिल किया गया है। किसान अपनी समस्या का तुरन्त समाधान फसल छवियों को एक प्राप्त करने के लिए अपनी फसल का फोटो माई ऐग्री गुरू को भेज सकतें है।

डिजिटल तकनीक किसान व अन्य संस्थाओं के बीच संवाद की महत्वपूर्ण कड़ी हैं जिस तरह से देश का औद्योगिक, परिवहन, निजी कम्पनी इत्यादि आज जिस ढंग से डिजिटाईल हो रहे तो कृषि क्यों पीछे रहे। अब समय आ गया है कि किसानों को नवीनतम तकनीक प्राप्त कर विकासशील देश के साथ बढ़े।